Title : Problems being faced by the farmers due to shortage of fertilizers and seeds.

चौधरी विजेन्द्र सिंह (अलीगढ) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं कि आपने मुझे खाद की समस्या पर बोलने का समय दिया। कृषि देश का बहुत ही महत्वपूर्ण विभाग है। हमारा देश प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से कृषि प्रधान देश है और हमारे देश की 70 प्रतिशत आबादी कृषि पर निर्भर है। उत्तर प्रदेश जो कि इस देश का एक विशाल प्रदेश है, वहां पर इस समय रबी की फसल की बुबाई का समय चल रहा है। पूरे प्रदेश में खाद की कमी है और यह समस्या विकराल रूप ले रही है। पूरी-पूरी रात किसान कोआपरेटिव सैक्टर की सोसाइटीज में पड़े रहते हैं लेकिन उन्हें खाद न के बराबर मिलती है। इससे उनका बहुत बड़ा नुकसान हो रहा है। उत्तर प्रदेश में रबी की फसल एक मुख्य फसल है जिस पर पूरे देश की आय निर्भर करती है। किसानों की आर्थिक स्थिति को सुधारने के लिए उन्हें यही एकमात्र मौका मिलता है।

उपाध्यक्ष महोदय : आर्सेनिक का स्टेट्स में भी यही हाल है। आर्सेनिक को भी साथ में लिया जाए।

चौधरी विजेन्द्र सिंह : खाद पहुंचाने की कोशिश की जा रही है लेकिन खाद किसानों तक नहीं पहुंच पा रही है। बीच के लोगों ने उसे रोक लिया है। यह पूरे देश की समस्या है, अकेले उत्तर प्रदेश की समस्या नहीं है। इसलिए मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि उत्तर प्रदेश के पूरे देश के किसानों तक खाद पहुंचाने के लिए खाद कोटा बढ़ाया जाए और हालांकि इसकी कीमतें बढ़ाई गई हैं लेकिन इसके बावजूद भी यह उपलब्ध नहीं है। इससे पूरे राष्ट्र को क्षति होगी, उत्पादन कम होगा, इसलिए इस समस्या के समाधान के लिए सरकार को निर्देश दिया जाए जिससे कम से कम इस समस्या का समाधान हो सके। आपने मुझे बोलने का समय दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं।

उपाध्यक्ष महोदय : पंजाब को भी इसके साथ जोड़ दें।